BSES

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए दिल्ली सरकार ने बनाई "आपातकालीन रेस्पॉन्स टीम", बीएसईएस के दो सीनियर अधिकारी होंगे टीम के प्रमुख

- बीएसईएस के दो वरिष्ठ अधिकारियों को बनाया टीम का कोऑर्डिनेटर व असोसिएशट कोऑर्डिनेटर

नई दिल्ली: 22 फरवरी, 2010। कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान बिजली की सुचारू और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय "आपातकालीन रेस्पॉन्स टीम" में बीएसईएस के दो अधिकारियों को शामिल किया गया है। प्रिंसिपल सेक्रेटरी पावर की देखरेख में गठित इस टीम के कोऑर्डिनेटर हैं, बीवाईपीएल के वरिष्ठ अधिकरी श्री सुभाष शर्मा, जबकि असोसिएट कोऑर्डिनेटर हैं बीआरपीएल के सीनियर ऑफिसर श्री मूलचंद शर्मा।

दिल्ली सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (पावर) श्री राजेंद्र कुमार ने सभी बिजली कंपनियों (बीआरपीएल, बीवाईपीएल, एनडीपीएल, दिल्ली ट्रांसको, आईपीजीसीएल और पीपीजीसीएल) को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि वे जरूरत पड़ने पर, इस आपातकालीन रेस्पॉन्स टीम को तमाम जरूरी सहायता उपलब्ध कराएं। यह टीम कॉमनवेल्थ गेम्स स्थल और गेम्स विलेज में बिजली की सुचारू व्यवस्था तो सुनिश्चित करेगी ही, साथ ही सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की सलाह से मॉक ड्रिल भी करेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कंपनियां बिजली संबंधी किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम हैं। इसके अलावा, यह आपातकालीन रेस्पॉन्स टीम सभी खेल स्थलों का दौरा कर, वहां बिजली व्यवस्था का जायजा लेगी और प्रिंसिपल सेक्रेटरी पावर को इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। इस रिपोर्ट में बिजली व्यवस्था की बेहतरी के बारे में सलाह दी जाएगी। यह रिपोर्ट हर 15 दिन पर प्रिंसिपल सेक्रेटरी पावर को सौंपी जाएगी।

प्रिंसिपल सेकेंटरी पावर के पत्र में आगे कहा गया है कि यदि किसी बिजली कंपनी को किसी मुद्दे पर श्री सुभाष शर्मा के विचारों से असहमति है, तो पहले श्री शर्मा के अनुरोध को पूरा किया जाए और उसके बाद यह मामला पावर सेकेंटरी के संज्ञान में लाया जाए।

सरकार द्वारा "आपातकालीन रेस्पॉन्स टीम" का कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर श्री सुभाष शर्मा ने कहा, "दिल्ली सरकार ने हम पर इतना भरोसा जताया है, उस भरोसे को कायम रखना और उनकी आकांक्षाओं पर खरा उतरना हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हम गेम्स को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बिजली की कोई समस्या न आए।" यदि बिजली का कोई संकट उत्पन्न होता है तो वे क्या करेंगे? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वैसे तो बिजली की पर्याप्त बैकअप व्यवस्था रहेगी और खेलों में कोई दिक्कत नहीं आएगी, फिर भी यदि कहीं बिजली गुल होती है, तो हमारी अनुभवी और सक्षम टीम बिना समय गंवाए वहां बिजली बहाल कर देगी। उल्लेखनीय है कि 1971 में पंजाब यूनिवर्सिटी से बीएससी– इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल) की डिग्री लेने वाले श्री शर्मा दिल्ली के बिजली सेक्टर को करीब 40 सालों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनका यह अनुभव इस दौरान बहुत काम आएगा।

आपातकालीन रेस्पॉन्स टीम के असोसिएट कोऑर्डिनेटर श्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि वह काफी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि सरकार ने इतने बड़ी काम के लिए उन पर भरोसा किया है। उनके मुताबिक, "फिलहाल मेरा एक ही मकसद है, गेम्स के दौरान गुणवत्तायुक्त और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना।" जब उनसे यह पूछा गया कि यदि संकट की कोई स्थिति आती है, तो वे क्या करेंगे, तो उनका जवाब था– "पूरी काबिलियत के साथ बिना समय गंवाए बिजली आपूर्ति सामान्य करेंगे।" श्री मूलचंद शर्मा के पास भी बिजली सेक्टर का विशाल अनुभव है। पेशे से इंजीनियर श्री शर्मा ने 1983 में दिल्ली विद्युत बोर्ड जॉइन किया था। उन्होंने इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की थी।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन ने कहा कि गेम्स के दौरान पूरी दुनिया की नजर दिल्ली पर रहेगी। ऐसे में, बिजली की कोई भी गड़बड़ी न सिर्फ खेलों को प्रभावित कर सकती है, बल्कि इससे पूरी दुनिया में दिल्ली और भारत के बारे में एक गलत संदेश जाएगा। इसलिए, हम काफी चौकन्ने हैं और कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। यही वजह है कि कंपनी बड़े पैमाने पर अपने नेटवर्क को अपग्रेड कर रही है, ताकि गेम्स के दौरान बिजली की कोई दिक्कत न हो। श्री नारायणन ने यह भी कहा गेम्स के दौरान बिजली की जितनी डिमांड होगी, उससे कहीं ज्यादा बिजली दिल्ली के पास उपलब्ध रहेगी। और, किसी भी फॉल्ट से निपटने के लिए अनुभवी स्टाफ की टीम हमेशा तैनात रहेगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304